नवभारत

लोककला संस्कृति की संवाहक

सिंधी नाटक के स्वरूप पर राष्ट्रीय परिसंवाद

नागपुर. साहित्य अकादमी दिल्ली एवं भारतीय सिंधु सभा सांस्कृतिक मंच नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में सिंधी नाटक का स्वरूप विषय पर राष्ट्रीय परिसंवाद का आयोजन बाबा हरदासराम धर्मशाला, जरीपटका में हुआ. उद्घाटन राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद दिल्ली के उपाध्यक्ष घनश्याम कुकरेजा ने किया. घनश्याम कुकरेजा ने अपने वक्तव्य में कहा कि लोककला संस्कृति की संवाहक है. नाटक भी लोककला का हिस्सा है, यह परफार्मिंग आर्ट है तथा आवाज़ी कल्चर का प्रमुख अंग है, जिसके माध्यम से सिंधी भाषा के संरक्षण एवं सवर्धन में मदद मिलती है जो कि समय की ज़रूरत है. मुंबई के साहित्य अकादमी के कार्यक्रम अधिकारी ओमप्रकाश नागर ने अतिथियों का स्वागत किया तथा साहित्य अकादमी की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी. साहित्य अकादमी के सिंधी भाषा सलाहकार समिति के सदस्य किशोर लालवाणी ने आरंभिक वक्तव्य में सिंधी रंगमंच के विकास की जानकारी दी. उद्घाटन कार्यक्रम के अंत में भारतीय सिंधु सभा सांस्कृतिक मंच के सचिव राकेश मोटवाणी ने आभार माना. संचालन डा. विनोद आसुदानी ने किया.

दादा वाधनदास तलरेजा, भूषण खूबचंदानी, डा. एस.के. पुंशी, गोपाल खेमानी, मुकेश साधवानी, नंदकिशोर आसूदाणी, अशोक माखीजानी, डा. विजय मदनानी व हासानंद सतपाल विशेष रूप से उपस्थित थे. उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात सिंपोज़िअम का प्रथम सत्र नाट्य निर्देशक हरीश माईदासानी की अध्यक्षता में हुआ. जिसमें भोपाल की नाट्य निर्देशिका कविता इसराणी ने सिंधी नाटक और मंचन मेरे अनुभव विषय में सिंधी रंगमंच के अपने अनुभव बताए. तुलसी सेतिया ने सिंधी नाट्य लेखन का स्वरूप एवं प्रवृतियां में पिछले पांच वर्षों में हुए नाट्य लेखन पर प्रकाश डाला. आदिपुर के नाट्य लेखक और दिग्दर्शक साहिब बिजाणी का आलेख किशोर लालवानी ने प्रस्तुत किया. द्वितीय सत्र डा. विनोद आसूदाणी की अध्यक्षता में हुआ. जिसमें इंदौर की नाट्य लेखिका विनीता मोटलाणी ने गत पांच वर्षों में सिंधी नाट्य लेखन के बारे में जानकारी दी. डा. जेठो लालवानी का आलेख किशोर लालवानी ने प्रस्तुत किया. ओमप्रकाश नागर ने सिंपोज़ियम की उपलब्धियों की जानकारी दी. गुरमुख मोटवाणी ने आभार माना. जगदीश वंजानी, परसराम चेलानी, जयकिशन विधानी, लक्ष्मण थावाणी, राजेश स्वामनानी, मीरा जारानी, दिलीप बीखानी, किशन आसूदाणी, राजकुमार कोडवानी, मुरली वलेचा, परमानंद कुकरेजा ने सफलतार्थ प्रयास किये.

Nagpur Plus Edition
Nov 20, 2019 Page No. 4